सम्पादकीय

भगवान् महावीर के २६०० वें जन्म कल्याणक वर्ष पर आदित्यनागीय चोरड़िया व सह गोत्रों और उपगोत्रों की प्रथम निर्देशिका सन् २००१ संकलित व सम्पादित कर आपके हाथों सौंपते हुए मुझे अत्यन्त हर्ष हो रहा है। अप्रैल २००० में जब मैं जलगाँव में श्री.भाऊ से (भवरलाल जैन साहब) उनके जैन हिल्स् पर मिला, तब उन्होंने मुझे आग्रह किया कि मैं चोरड़िया और उसकी सह-गोत्रों की निर्देशिका बना दूँ। अत: मैंने अपनी स्वीकृति देते हुए कहा कि मैं मई २००० के महीने में अपने पुत्र के निमन्त्रण पर इण्डोनेशिया जाऊँगा। अत: लौटकर परिचय संकलन का कार्य आरम्भ करूँगा।

''मैं अगस्त २००० में लौटा और उसी वर्ष दिसम्बर २००२ से परिचय संकलन कार्य का आरम्भ किया। डाक से मैंने २००० से अधिक परिचय पत्र भेजे, किन्तु इनमें से १० % पत्र भी किसी ने भर कर नहीं भेजे। तब मैंने घर-घर, गाँव-गाँव जा कर परिचय-पत्र संकलन कार्य का आरम्भ किया। जिसका परिणाम यह निर्देशिका है। इस कार्य में कई खट्टे-मीठे अनुभव हुए। जैसे-

सभी पूछते-''आप तो लोढ़ा हैं, आप यह कार्य क्यों कर रहे हैं? आपको क्या लाभ है?''निर्देशिका का क्या लाभ है? क्या चोरड़िया की इतनी गोत्रें सह-गोत्रें हैं? तब तो विवाह सम्बन्ध और भी जटिल हो जाएगा। अत: यह कार्य उपयुक्त नहीं। हमारे इन गोत्रों से विवाह सम्बन्ध हैं। हम भाईपा नहीं मानते। हम अपना परिचय नहीं देंगे। हम अपने नगर के भाईयों को भी संगठित नहीं कर सकते। हमें ऐसा नहीं लगता कि हम भारतभर के भाईयों की निर्देशिका बना पाएँगे । यदि आप आग्रह करते हैं तो आवेदन पत्र दे जाइये। हम भर कर भेज देंगे। (वास्तव में ये पत्र मुझे बहुत कम प्राप्त हुए।)

पंजाब व दक्षिण भारत में मुझे भाषा की कठिनाई का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर तो मैं पहुँच भी नहीं सका। जिन्होंने मुझे सहयोग दिया, कृतज्ञता दर्शायी और सम्मानित भी किया, उनके प्रति मैं कृतज्ञ हूँ। श्री.सोहनमलसा गादिया (चेन्नई) का सहयोग सदैव स्मरणीय रहेगा। अधिकांश बन्धु बड़े उद्योगपति एवं व्यापारी हैं। समय-अभाव के कारण उनसे वार्तालाप करने में मुझे बड़ी कठिनाई हो रही थी, फिर भी उन्होंने समय निकाला। ऐसी उलझनों और उत्साह के साथ मैं अपने लक्ष्य पर आगे बढ़ता ही रहा। मैं स्वीकार करता हूँ कि ये परिचय-पत्र बहुत ही कम संकलित हुए हैं, किन्तु यह निर्देशिका, मेरी आगामी निर्देशिका की सफलता में पूरा योगदान देगी। उसका आधारस्तम्भ सिद्ध होगी।

मेरे विचार से इस निर्देशिका में इतिहास और कुलदेवी की जानकारी अधिक महत्वपूर्ण है। इसका क्या महत्व है, इसका क्या और कितना उपयोग होगा, यह तो चोरड़िया एवं उसके सहगोत्र-बन्धु ही बतायेंगे। अनजाने में यदि मुझसे कोई भूल हुई हो, या कोई कष्ट पहुँचा हो, तो मैं क्षमा प्रार्थी हूँ।

जय महावीर। जय सच्चियाय माता ॥

-चञ्चलमल लोढ़ा

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ क्रमांक
इतिहास: जगत् भवानी श्री. सच्चियाय मातेश्वरी	(१-२)
संस्करण संबंधी:	(४)
सम्पादकीय: श्री. चञ्चलमल लोढ़ा	(५)
प्राक्कथन: श्री.भवरलाल जैन (चोरड़िया) तथा लोढा कुलभूषण श्री. चञ्चलमल-एक व्यक्तित्व/चोरड़िया व सहगोत्र का इतिहास तथा स्त्रोत के शिलालेख	(६-१३)
इतिहास के पृष्ठों में : चोरड़िया व सह एवं उपगोत्र	(१४-१८)
विशिष्ट व्यक्तित्व : चोरड़िया व सह एवं उपगोत्र **ओस्तवाल:** पोपटलाल भागचन्द ओस्तवाल, श्रीमती रत्नादेवी गेन्दमल ओस्तवाल, **कोठारी** : महेन्द्र कोठारी,महेन्द्र, कुशलराज कोठारी, **गद्दैया :** सम्पतकुमार गद्दैया, **गादिया :** सुरेश हस्तीमल गादिया, माणकचन्द हस्तीमल गादिया, अमरचन्द खिंवराज गादिया, सोहनचन्द गादिया, **गुलेच्छा :** माँगीलाल तिलकचन्द गुलेच्छा, मिलापचन्द जोगराज गुलेच्छा, प्रकाश ज्ञानचन्द गुलेच्छा, **गोलेच्छा :** सज्जनराज गोलेच्छा, सुरेश गोलेच्छा, मदनलाल गोलेछा, **चोरड़िया :** फतहचन्द चोरड़िया, संतोष कचरादास चोरड़िया, नन्दलाल दलिचन्द चोरड़िया, प्रा. सुभाषचन्द चोरड़िया, सौ. सज्जनदेवी नगीनचन्द चोरड़िया, रमेशचन्द्र आसकरण चोरड़िया, बाबूलाल चोरड़िया, गुलाबचन्द चोरड़िया, चंचलमल कल्याणमल चोरड़िया,भवरलाल चोरड़िया, चांदमल चोरड़िया, भवरलाल चोरड़िया, शुभकरण चोरड़िया, सूरजमल चोरड़िया, कन्हैयालाल चोरड़िया, लाभशुभलाल चोरड़िया, मांगीलाल चुनीलाल चोरड़िया, राजमल नानामल चोरड़िया, शान्तिलाल राजमल चोरड़िया, लालचन्द मन्नालाल चोरड़िया, विमलकुमार चोरड़िया, डॉ. कमलकुमार चोरड़िया, प्रकाशमल चोरड़िया, शरबतचन्द चोरड़िया, कनकमल कल्याणमल चोरड़िया, सुरेशकुमार नेमीचन्द चोरड़िया, दशरथमल कनकमल चोरड़िया, **चौधरी :** भवरलाल चौधरी, कान्तिलाल चौधरी, **जैन** : भवरलाल हिरालाल जैन, दलिचन्द जैन, मांगीलाल जैन, **तोलावत :** विमलेश तोलावत, नरेन्द्रकुमार तोलावत **पारख :** हरकचन्द केशरचन्द पारख, बाबूलाल छोटमल पारख, प्रकाशचन्द पारख, अजीतकुमार पन्नालाल पारख, घीसूलाल पारख, ज्ञानचन्द पारख, भवरलाल पारख.	(१९-२५)
कौन क्या है? Who is who? (विदेश एवं देश के राज्यों के व्यावसायिक)डॉक्टर्स/चार्टर्ड अकाउन्टन्ट्स/आई.सी.डब्ल्यू.ए./इन्जीनियर्स/एम्.बी.ए./पीएच्.डी./जर्नलिस्ट्स/आर्टिस्ट्स/लॉ-ग्रॅज्युएट्स-एडव्होकेट्स	(२६-३१)
वंशवृक्ष (वंशावलियें): पंजाबी गद्दैया का वंशवृक्ष (शेरगढ), श्री. आईदानजी गोलेच्छा शेरगढ का वंशवृक्ष, हरनाथजी का लड़पोता जवारमलजी तथा छोटमलजी का वंशवृक्ष	(३२-३५)
चोरड़िया एवं सहगोत्र निर्देशिका तथा पारिवारिक जानकारी : (विविध राज्य एवम् देश के निवासी)	(३६-१५६)